

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को लेकर भारत ने एक बार फिर दुनिया का ध्यान उस सच्चाई की ओर खींचा है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया जाता रहा है. भारत को आरोप है कि सुरक्षा परिषद सुधारों पर हुई हालिया बातचीत के दस्तावेज में सदस्य देशों की वास्तविक राय को दबाया गया और स्थायी व अस्थायी सदस्यता विस्तार के व्यापक समर्थन को कमजोर रूप में प्रस्तुत किया गया. यह केवल प्रक्रियागत विवाद नहीं, बल्कि उस वैश्विक संस्था की विषयसमीक्षा का प्रश्न है, जो स्वयं को अंतरराष्ट्रीय शांति और संतुलन का सबसे बड़ा मंच बताती है.

संयुक्त राष्ट्र सुधार अब वैश्विक आवश्यकता

और फ्रांस, आज भी वीटो शक्ति के आधार पर पूरी दुनिया की सामूहिक इच्छा को प्रभावित करते हैं. यह संरचना उस समय बनी थी जब एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अधिकांश देश या तो उपनिवेश थे या वैश्विक निर्णय प्रक्रिया से बाहर थे. लेकिन आज दुनिया बदल चुकी है. शक्ति संतुलन बदल चुका है और वैश्विक चुनौतियां भी पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई हैं. यूक्रेन युद्ध, गैजा संघर्ष, सूडान की हिंसा, म्यांमार संकट और अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध इस बात के प्रमाण हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ संघर्ष रोकने और स्थायी समाधान निकालने में लगातार विफल रहा है. कई मामलों में सुरक्षा परिषद केवल महाशक्तियों के राजनीतिक हितों का अखाड़ा बनकर रह गई है. जहां एक स्थायी सदस्य के

देशों की भी है. इससे यह संदेश जाता है कि संयुक्त राष्ट्र की संरचना अभी भी पुरानी शक्ति राजनीति की कैद में है. भारत द्वारा उठाया गया मुद्दा केवल अपनी सदस्यता का नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व और पारदर्शिता का है. यदि अधिकांश सदस्य देश सुधार चाहते हैं, तो उनकी राय को दस्तावेजों और निर्णय प्रक्रिया में स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित होना चाहिए. बहुमत की इच्छा को तकनीकी शब्दों और कूटनीतिक भाषा में कमजोर करना सुधार प्रक्रिया को धीमा करने का प्रयास माना जाएगा.

अब समय आ गया है कि संयुक्त राष्ट्र स्वयं को बदले. यदि यह संस्था नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुरूप खुद को ढालने में विफल रहती है, तो इसकी प्रासंगिकता लगातार कम होती जाएगी. दुनिया को ऐसी सुरक्षा परिषद चाहिए जो कुछ देशों के हितों की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की आवाज बने.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना



आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है. वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और

भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसे चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं. इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नजर आती है- वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे-समझे किया जाने वाला उपभोग. प्राकृतिक संसाधनों के ज़रूरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्याधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है. और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक जिम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है. योग मानवता को आत्म-नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है. यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें.

सच्चा कल्याण अकेले अस्तित्व में नहीं हो सकता. मानव स्वास्थ्य, सामुदायिक कल्याण और संपूर्ण ग्रह का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं. जलवायु परिवर्तन, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और पर्यावरण के क्षरण की चुनौतियों के लिए न केवल नीतिगत हस्तक्षेप, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन भी जरूरी है. इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर, आइए हम अपनी प्रतिबद्धता को योग में आगे बढ़ाएं. आइए हम योग को केवल दैनिक अभ्यास के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन शैली के रूप में अपनाएं. एक ऐसी जीवन शैली जो सचेत उपभोग, आंतरिक अनुशासन और पारिस्थितिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करती है. आइए हम प्रधानमंत्री के सचेत जीवन जीने के आह्वान पर काम करें और एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें, जहां तरकती और विकास को केवल हमारे उपभोग से नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी से जीने के तरीके से मापा जाए. अपने आंतरिक वातावरण को बदलकर, हम सब मिलकर अपने ग्रह के बाहरी वातावरण को ठीक कर सकेंगे.

अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे मानवीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने मिशनलाइफ (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) के जरिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है. प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा है- आज जरूरत है सचेत और सोच-समझकर उपभोग करने की, न कि बिना सोचे-समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की. हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक जिम्मेदारी का रूप दे दिया. उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान-बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन

बदलकर इस धरती का जिम्मेदार रखवाला बनना है.

पृथ्वी पर इंसानी जरूरतों को पूरा करने के लिए तो काफी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं. योग प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है. जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं. योग का अभ्यास धीरे-धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है. यह मन को बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाजी वाली आदतों को कम करता है और आत्म-अनुशासन को मजबूत बनाता है. आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्थिरता पैदा करता है, जिसकी जरूरत हमें अपनी असली जरूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फर्क समझने के लिए होती है. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष्म, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है. (लेखक आनुष्म मंगलया और केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं.)

अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष के स्वागत से असहज क्यों हैं भाजपाई...



अविनाश दीक्षित

एक ओर भारतीय जनता पार्टी सामाजिक समीकरणों को साधने के साथ नए चेहरों को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है तो दूसरी ओर हाल ही में की गई इन नियुक्तियों को लेकर पार्टी के भीतर अंदरूनी असहजता और

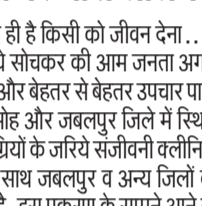


गुटियों खींचतान बढ़ती नजर आ रही है. इस खूब हो रही थी. फिलहाल पार्टी के भीतर इस क्षेत्र से टिकट को लेकर कई दावेदार पहले से सक्रिय हैं. हालांति चर्चाओं पर गौर करें तो मौजूदा भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर का नाम भी शिष्टतः से लिया जा रहा है. इसके अलावा प्रदेश के एक पूर्व जलपूर को जिसने भी देखा उसने कहा कि ये गजब का शक्ति प्रदर्शन था, लेकिन उसी जलपूर में शहर भाजपा के कई बड़े नेता और जनप्रतिनिधियों ने दूरी बनाये रखी. इस सुरतेहाल ने राजनैतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया. जिसके तहत कहा जा रहा कि यह महज संयोग नहीं है बल्कि भाजपा के स्थानीय स्तर पर उभरते नये शक्ति केंद्र का सूचक है. यह बात कई नेताओं की चिंता बढ़ाने वाली बात थी, क्योंकि आयोग अध्यक्ष बनने के बाद कैलाश

गुटियों खींचतान बढ़ती नजर आ रही है. इस खूब हो रही थी. फिलहाल पार्टी के भीतर इस क्षेत्र से टिकट को लेकर कई दावेदार पहले से सक्रिय हैं. हालांति चर्चाओं पर गौर करें तो मौजूदा भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर का नाम भी शिष्टतः से लिया जा रहा है. इसके अलावा प्रदेश के एक पूर्व जलपूर को जिसने भी देखा उसने कहा कि ये गजब का शक्ति प्रदर्शन था, लेकिन उसी जलपूर में शहर भाजपा के कई बड़े नेता और जनप्रतिनिधियों ने दूरी बनाये रखी. इस सुरतेहाल ने राजनैतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया. जिसके तहत कहा जा रहा कि यह महज संयोग नहीं है बल्कि भाजपा के स्थानीय स्तर पर उभरते नये शक्ति केंद्र का सूचक है. यह बात कई नेताओं की चिंता बढ़ाने वाली बात थी, क्योंकि आयोग अध्यक्ष बनने के बाद कैलाश

आम जिंदगियों पर भारी लालच की पोटी

संजीवनी नाम ही ऐसा है जिसका मतलब ही है किसी को जीवन देना... इस नाम से अगर संजीवनी वेलीनिक खोले गए तो ये सोचकर की आम जनता और इलाज से ग्रामित होकर संजीवनी वेलीनिक आपणी और बेहतर से बेहतर उपचार पाकर स्वस्थ होकर यहां से जाएगी अगर बीते दिनों दमेह और जलपूर जिले में स्थित संजीवनी वेलीनिक में 3 फर्जी डॉक्टरों के फर्जी डिग्रियों के जरिये संजीवनी वेलीनिक में पदस्थ डॉक्टरों के पकड़े जाने के बाद प्रदेश के साथ जलपूर व अन्य जिलों की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक बड़ा प्रश्न चिह्न लगा दिया है. इस प्रकरण के सामने आने के बाद जलपूर अधिकारी बड़े रैकेट का भंडाफोड़ होने का संकेत दे रहे हैं. इस घटनाक्रम को लेकर महाकौशल सहित समूचे प्रदेश में हड़कंप मचा हुआ है. जानकारों के मुताबिक यह घोटाला स्वास्थ्य विभाग के बिना किसी अधिकारी की सांगठिक से भी संभव नहीं है, ऐसे में उन लोगों के खेमे में काफी दृष्टान्त व्याप्त है जिन्होंने फर्जी डॉक्टरों की कहीं न कहीं मदद की थी. जानकारी के अनुसार वर्तमान में प्रदेशभर के जिलों में करीब 750 संजीवनी वेलीनिक स्वीकृत हैं, जिनमें से 250 पद रिक्त हैं. इन रिक्त पदों को भरने के नाम पर जनता की जिंदगी को सीधे दांव पर लगा दिया गया. इसके साथ ही इस बड़े कांड से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की चयन व सत्यापन प्रक्रिया कटघरे में खड़ी हुई है. नियमों की बात की जाए तो कई भौतिक सत्यापन के बाद ही किसी को नौकरी मिलती है लेकिन इन फर्जी डॉक्टरों का डेढ़ साल तक नौकरी करना विभाग के अंदर बैठे अधिकारियों व बाबुओं की सांगठिक कितनी मजबूत रही होगी कुछ स्पष्ट कर रही है. सुत्रों के अनुसार मेडिकल की फर्जी डिग्रियां बेचने के गिरोह के सामने आने के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और स्वास्थ्य संचालनालय ने प्रदेश भर के सीएमएचओ को कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं जिसके बाद सीएमएचओ जलपूर रॉ. नवीन कोदारी ने दो टुक कहा है कि जलपूर जिले के संजीवनी वेलीनिकों में पदस्थ डॉक्टरों की डिग्री व मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रेशन का री-वेरिफिकेशन, प्रक्रिया की जांच और जल्द ही इसकी पूरी रिपोर्ट बनाकर भोपाल भेजी जाएगी. अभी तक आरोपियों ने जो पूछताछ के दौरान खुलासे किए हैं उससे तो साफ है कि पूरा फर्जी डिग्री रैकेट सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था और भोपाल, गालियर संभाग से रैकेट के तार जुड़े हुए हैं. पकड़ा गया गिरोह डॉक्टरों की कमी का फायदा उठाकर 2 लाख रुपये से लेकर 7 लाख रुपये तक की मोटी रकम वसूलता था और बदले में फर्जी मेडिकल डिग्रियां और कूट रचित रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट थमा देता था. खबर है कि पुलिस की रडार पर भोपाल, गालियर के कई और संदिग्ध आ चुके हैं जो कि फर्जी दस्तावेजों को तैयार करने के सूत्रधार हैं. अब देखा होगा कि इस बड़े रैकेट में और कितने फर्जी डॉक्टर व इनसे जुड़े लोग सार्वजनिक होंगे.



बदलकर इस धरती का जिम्मेदार रखवाला बनना है. पृथ्वी पर इंसानी जरूरतों को पूरा करने के लिए तो काफी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं. योग प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है. जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं. योग का अभ्यास धीरे-धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है. यह मन को बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाजी वाली आदतों को कम करता है और आत्म-अनुशासन को मजबूत बनाता है. आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्थिरता पैदा करता है, जिसकी जरूरत हमें अपनी असली जरूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फर्क समझने के लिए होती है. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष्म, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है. (लेखक आनुष्म मंगलया और केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं.)

निशानेबाज

पेट्रोल रहित विमानों की उड़ान वैज्ञानिक दें इस ओर ध्यान



पेट्रोल रहित विमानों की उड़ान वैज्ञानिक दें इस ओर ध्यान

हुआ करती थी. धन के देवता कुबेर के पास पुष्पक विमान था जिसे उसके सोतेले भाई रावण ने छीन लिया था. कुबेर के अलकापुरी से वह विमान लंका लाया गया. रावण लंका से कैलाश पर्वत तक शिवजी का दर्शन करने उसी विमान से जाता था. रावण के मरने के बाद राम, सीता, लक्ष्मण को अयोध्या लौटाना था तो विभीषण ने पुष्पक विमान उपलब्ध कराया. वह आज के बोइंग 787 या मालवाही सी-130 हर्कुलिस विमान से भी बहुत विशाल था. उसमें हनुमान, अंगद, विभीषण और पूरी वानर सेना सवार हो गई थी. मन की शक्ति से चलने वाले पुष्पक विमान में कितने भी यात्री बैठ जाएं, एक सीट खाली बचती थी. यह लंका से अयोध्या तक की सीधी नॉनस्टॉप फ्लाइट थी. इसी तरह राम-रावण युद्ध में देवता विमानों से पुष्पवर्षा करते थे. वह श्रीकृष्ण पांडवों से मिलने हस्तिनापुर गए थे तब द्वारकापुरी पर मौका पाकर शाल्व ने हवाई हमला कर दिया था. इससे भारी तबाही हुई थी. श्रीकृष्ण ने लौटने के बाद शाल्व का संहार कर दिया था.

हमने कहा, 'आप पुरानी हिंदी फिल्मों के कुछ गीत सुनिए और आंख मूंदकर कल्पना कीजिए कि विमान में सवार हैं. एक गीत है- उड़नखटोले पे उड़ जाऊं, मैं तेरे हाथ का आऊं! एक अन्य गाना है- मेरा पैगाम ले जा, दिल का सलाम ले जा, उल्लसत का जाम ले जा उड़नखटोलेवाले राही!' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब हमने चंद्रयान और मंगलयान भेजे, अंतरिक्ष में उपग्रह भेजे तो क्या ईंधन नहीं लगा होगा? तब तो सरकार ने इसरो के सामने ईंधन तकनीक है. उसमें परंपरागत पेट्रोल, डीजल का उपयोग नहीं होता. स्पेस साइंस पढ़ेंगे तो जानकारी मिलेगी. पढ़ेंगे की फुसत नहीं है तो अंतरिक्ष यात्री

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब फॉसिल फ्यूल या क्रूड ऑयल नहीं खोजा गया था तब किसी ने सोचा नहीं होगा कि हवाई जहाज का ईंधन होगा और लोग एयर ट्रेवल करेंगे.' हमने कहा, 'ऐसा नहीं है. प्राचीन भारत में भी हवाई यात्रा

8	के.7 सू. चं. शु.	6	शु.	5
9	शु.	4	शु.	3
10	शु.	1	शु.	2
11	शु.	1	शु.	2
12	शु.	2	शु.	3

पंचांग
रा.मि. 01 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी भृगुवासरे दिन 11/46, पुष्य नक्षत्र दिन 8/12, वृद्धि योगे दिन 1/38, तैत्तिल करणे सू. 5/20, सू. अ. 6/40, चन्द्रचार कर्क, शु. रा. 4, 6, 7, 10, 11, 2 अ. रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

व्यापार भविष्य
अधिक ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से सींगदाना, काली, उड्ड, तिल, तेल, सरसों, लोहा, शेरार के भाव में तेजी होगी, गुड, खांड, धनु, निकिल, कॉपर, के भाव में घटा-बढी, होगी. भाग्यांक 2188 है.

SUDOKU 7397

		1			6
			5		
2	3	9		8	
6					5
		8	3		
1					4
	7		1	3	9
		2			
			6		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति व हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

विधायकों को बंधक रखने पर रोक

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र सहित 6 राज्यों में विधानपरिषद चुनाव के लिए आधारसंहिता लागू की है. इसमें एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया गया है कि इस चुनाव में मतदाताओं को होटल, रिसॉर्ट जैसे स्थानों में ले जाकर रखना रिश्वत देने जैसा भीतर अपराध माना जाएगा और ऐसे मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 171 ब के अनुसार कार्रवाई की जाएगी. यह देखा गया है कि किसी राज्य में राजनीतिक अस्थिरता पैदा होने पर पार्टी के विधायक, सांसद फूटकर दूसरी पार्टी में न चले जाएं इसलिए उन्हें किसी फाइव स्टार होटल या रिसॉर्ट में ले जाकर ठहरा दिया जाता है. सबसे पहले आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री एनटी रामाराव को 1984 में जब अदंशा हुआ कि उनकी सरकार गिराई जा सकती है तो उन्होंने अपनी तेलुगु देशम पार्टी के विधायकों को कर्नाटक के रिसॉर्ट में भेज दिया था. महाराष्ट्र में 2019 में जब महाविकास आघाड़ी सरकार बन रही थी तब विधायकों को मुंबई के फाइवस्टार होटलों में रखा गया था. 2022 में जब एकनाथ शिंदे ने शिवसेना में बगावत की थी तब उनके गुट के विधायकों को बीजेपी शासित राज्यों के गुवाहाटी, सुरत व गोंया जैसे स्थानों में ले जाकर पूरी सुविधाओं के साथ आलोचन तरीके से रखा गया



सबसे पहले आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री एनटी रामाराव को 1984 में जब अदंशा हुआ कि उनकी सरकार गिराई जा सकती है तो उन्होंने अपनी तेलुगु देशम पार्टी के विधायकों को कर्नाटक के रिसॉर्ट में भेज दिया था. महाराष्ट्र में 2019 में जब महाविकास आघाड़ी सरकार बन रही थी तब विधायकों को मुंबई के फाइवस्टार होटलों में रखा गया था.

था. उनका फोन जब्त कर लेने और बाहर पहरा बिता देने से उनकी हालत किसी बंधक जैसी हो जाती है. वह अपने परिवार से भी संपर्क नहीं कर पाते. उनका कोई व्यक्तिगत निर्णय या रुझान नहीं रह जाता. नेताओं का उद्देश्य अपनी पार्टी के विधायकों को संभालकर रखना होता है. विधानपरिषद चुनाव में भी क्रॉसवोटिंग के मामले सामने आते हैं. संदेह है कि इसमें मोटी रकम का खेल होता है. देखा होगा कि चुनाव आयोग के नए नियम का किताना असर होता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाल

1	2	3	4	5	6
7					
			8		9
10	11		12	13	
			14		
15		16		17	
18	19			20	
		21			

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है
वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, यात्रा का योग है, व्यय में कमी होगी, व्यवसाय में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रम के उपरांत आंशिक सफलता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्यय होगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय में वृद्धि होगी. मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को परिश्रम के उपरांत लाभ

मेघ- बातचीत में नरमी बरते, अनुभव की कमी से काम अटक सकते हैं. रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी, संतान संबंधी शुभ समाचार मिलेगा.
वृश्चिक- पारिवारिक आयोजन में भागीदारी बढ़ेगी, माता पिता के स्वास्थ्य को चिन्ता रहेगी, रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी, संतान संबंधी शुभ समाचार मिलेगा.
मिथुन- समस्याओं को निपटने में सफल होंगे, भावनाओं में बहक गलत सोचा कर सकते हैं, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, अनावश्यक विवादों को टालें.
कर्क- सोच समझकर पूंजी निवेश करें, धार्मिक कार्यों में भागीदारी बढ़ेगी, मातृपक्ष की चिन्ता रहेगी, सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी.

हागा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम करना पड़ेगा, पर लाभ कम होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक लाभ होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को सहयोग रहेगा, मकर और कुंभ राशि की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अच्छे लाभ का योग है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा.
सिंह- अटक के फल से सुलझ लेंगे, नए अवसर मिलने से उसाह बढ़ेगा, नवीन वस्त्राभूषण उधार की प्राप्ति होगी, निजी कार्यों में रूचि रहेगी.
कन्या- काम को वक पर पूरा करने का प्रयत्न करें, लंबी दूरी की यात्रा अनुकूलता रहेगी, प्रियजनों से भेदवातां होगी.
तुला- लाभ के अच्छे अवसर हाथ में आसकते हैं, दोड़धुर अधिक करना पड़ेगा, अनावश्यक कार्यों में संयम रहे, शत्रु की गतिविधियों पर ध्यान दें.
वृश्चिक- जहरतमदों की मदद करके खुश होंगे, आय के नए स्रोत बनने से धन कोष में वृद्धि होगी, नए मैत्रि संपर्क स्थापित होंगे, आर्थिक संसाधनों का उदय होगा.

आज जन्म शिशु का भविष्य
आज जन्म लिया बालक संकोची, ईमानदार, व्यवहार कुशल, धैर्यवान होगा, शिक्षा अच्छी रहेगी, ये परोपकारी, एवं प्रेरक होगा, भाई के साथ कार्यों में सदैव तत्पर रहेगा, माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा.
धनु- लाभ के अवसर मिलेंगे, सुझबुझ कर आम बिले, उलझनें दूर होंगी, राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी, नैकरी में कार्याधिक रहेगा.
मकर- सोच समझकर पूंजी निवेश करें, धार्मिक कार्यों में भागीदारी से मन में संतोष रहेगा, व्यवहार अधिक होगा, अतिथि आगमन का योग है.
कुम्भ- अनुभवी लोगों की मदद से विवाद सुलझ जायेंगे, तनाव दूर होगा, कार्य की अधिकता से मानसिक चिन्ता रहेगी, आलस्य बना रहेगा.
मीन- नए काम की शुरुआत में बाधा आ सकती है, गलत व्यक्तियों का साथ नुकसान देगा, इच्छक कार्य में सफलता मिलेगी, स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा.

आ	क्रा	म	क	पु	स्त	क
गं	हा	ल	चा	ल	स	
तु	ला	श	श	के	म	
क	मि	नी	ब			
क	ला	ई	क	ह	ना	
स	मी	प	ग	र	ल	
रो	ना	गु	म	ना	ली	
ज	द	र	क	ना	ख	

बाएं से दाएं
1. आकाश, स्वर्ग 5. यात्रा, परदेश में रहना (सं.) 7. बलपूर्वक (उद्द.) 9. उद्यान, वाटिका, लगाम 10. सांप की मादा 12. अनुचित बात पर अड़े रहना, दुराग्रह 14. अनुरक्त होना 15. कर्म के वाह स्थान जहां दो दीवारें मिलती हैं 16. नहाना 18. जांच या परीक्षा करना 20. महाना, मास 21. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री का नाम ऊपर से नीचे
1. परखना, परीक्षा लेना 2. समस्त, कुल, सारा 3. अफीम का सत्त (अं.)